

प्रेषक,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
लखनऊ।

सेवा में,

- निदेशक, डा० राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, गोमतीनगर, लखनऊ।
- निदेशक, चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन, अमौसी, लखनऊ।
- ए०पी०एच०ओ०, लखनऊ।
- मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, गाँधी स्मारक एवं सम्बद्ध चिकित्सालय, के०जी०एम०यू० लखनऊ।
- मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, एस०जी०पी०जी०आई०, लखनऊ।
- मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, बलरामपुर चिकित्सालय/डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय/ रानी लक्ष्मी बाई संयुक्त चिकित्सालय/लोकबन्धु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय/ भाऊराव देवरस संयुक्त चिकित्सालय/टी०बी० सह संयुक्त चिकित्सालय टाकुरगंज/राम सागर मिश्र 100 शैया संयुक्त चिकित्सालय लखनऊ।
- अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र माल, मलिहाबाद, काकोरी, बी०के०टी०, इटौजा, चिनहट, मोहनलालगंज, सरोजनीनगर, गोसाईगंज, गुडम्बा, नगराम, लखनऊ।
- अधीक्षिका, बाल महिला चिकित्सालय एवं प्रसूति गृह ऐशबाग, अलीगंज, इन्दिरानगर, एन०के० रोड, टूडियागंज, सिल्वर जुबिली, रेडक्रास, चन्दरनगर, लखनऊ।

पत्रांक : मु०चि०अ०/मंकी पाक्स/2022/ 6678-40

दिनांक : 03/6/2022

विषय : भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मंकी पॉक्स की रोकथाम एवं नियन्त्रण हेतु जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या 21फ/सं०रो०/2022/4393(3) दिनांक 02.06.2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मंकीपॉक्स की रोकथाम एवं नियन्त्रण हेतु जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

उक्त पत्र की छाया प्रति पत्र के साथ संलग्न कर इस अनुरोध के साथ प्रेषित है कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मंकीपॉक्स की रोकथाम एवं नियन्त्रण हेतु जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नक - उपरोक्तानुसार।

भवदीय

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
लखनऊ।

तददिनांक

पत्रांक : मु०चि०अ०/मंकी पाक्स/2022/ 6678-40

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन।
2. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. निदेशक, संचारी रोग/वी०बी०डी० उ०प्र० स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
4. अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लखनऊ मण्डल लखनऊ।
5. जिला अधिकारी, लखनऊ।
6. मुख्य विकास अधिकारी, लखनऊ।
7. राज्य सर्विलान्स अधिकारी, आई०डी०एस०पी०, उ०प्र०, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।
8. जिला सर्विलान्स अधिकारी, लखनऊ।
9. अध्यक्ष/सचिव, लखनऊ नर्सिंग होम एसोसिएशन लखनऊ।
10. अध्यक्ष/सचिव, पैथालॉजी एसोसिएशन, लखनऊ।
11. अध्यक्ष/सचिव, इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन, लखनऊ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
लखनऊ

प्रेषक,

महानिदेशक

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ०प्र०।
2. समस्त प्रमुख/ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,
मण्डलीय, जिला एवं संयुक्त चिकित्सालय, उ०प्र०।
3. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक:—21फ/सं०रो०/2022/ 4393(3)

दिनांक 02/06/2022


विषय:—मंकीपॉक्स के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु दिशा-निर्देश प्रेषण किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक संयुक्त सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के पत्र संख्या—Z.28015/06/2022-EMR, दिनांक 31 मई, 2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा मंकीपॉक्स रोग के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु दिशा निर्देश उपलब्ध कराये गये हैं, जिसके अनुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि उक्त संलग्न पत्र में उल्लिखित दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

संलग्नक:—उपरोक्तानुसार।

भवदीय


(वेद ब्रत सिंह)
महानिदेशक,

पत्रांक:—21फ/सं०रो०/2022/

तद्दिनांक

प्रतिलिपि:—निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित:—

1. अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ०प्र० शासन।
2. सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ०प्र० शासन।
3. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ०प्र०।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ०प्र०।

/

निदेशक,

संचारी रोग/वी०बी०डी०, उ०प्र०।

प्रेषक,

महानिदेशक
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ०प्र०।
2. समस्त प्रमुख / मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,
मण्डलीय, जिला एवं संयुक्त चिकित्सालय, उ०प्र०।
3. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक:-21फ/सं०रो०/2022/

दिनांक 02/06/2022

विषय:-मंकीपॉक्स के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु दिशा-निर्देश प्रेषण किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक संयुक्त सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के पत्र संख्या-Z.28015/06/2022-EMR, दिनांक 31 मई, 2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा मंकीपॉक्स रोग के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु दिशा निर्देश उपलब्ध कराये गये हैं, जिसके अनुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि उक्त संलग्न पत्र में उल्लिखित दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

संलग्नक:-उपरोक्तानुसार।

भवदीय

(वेद ब्रत सिंह)
महानिदेशक,

पत्रांक:-21फ/सं०रो०/2022/ 4394-97

तद्दिनांक

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित:-

1. अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ०प्र० शासन।
2. सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ०प्र० शासन।
3. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ०प्र०।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ०प्र०।


निदेशक,

संचारी रोग / वी०बी०डी०, उ०प्र०।



LAV AGARWAL, IAS
Joint Secretary

Tel. : 011-23061195
T/Fax : 011-23061842
E-mail : alav@ias.nic.in



भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE
NIRMAN BHAVAN, NEW DELHI - 110011

DO No. Z.28015/06/2022-EMR
Dated the 31st May 2022

Dear Sir/Madam,

Monkeypox disease cases have recently been reported from multiple countries. Considering the fact that identification of cases of Monkeypox with no direct travel links to an endemic area is atypical there is a need to operationalize and strengthen required public health measures preparedness and response against the disease in the country.

Ministry of Health & Family Welfare (MoHFW) has earlier shared requisite guidelines for disease surveillance at Points of Entries (PoEs) and in the community, as well as the technical guidance on requisite laboratory protocol to be followed for identification of cases. MoHFW continues to closely monitor the evolving scenario and is providing requisite technical guidance to all States/UTs.

Post detailed expert consultations and based on emerging evidences, MoHFW has now prepared comprehensive Guidelines on Monkeypox detailing the public health preparedness & response measures including clinical management of suspect/confirmed cases of Monkeypox. The same are attached as Annexure, for necessary follow up by the states and district administration.

With regards,

Yours sincerely

Sd/-
(Lav Agarwal)

Addl. Chief Secretary/Principal Secretary/Secretary (H) of all States/UTs

Copy for information to:

1. Secretary (H)
2. Secretary (DHR)


(Lav Agarwal)

प्रदेश में मंकीपॉक्स के प्रभावी नियंत्रण हेतु कार्ययोजना
वर्ष-2022



चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, उ०प्र०

1. Introduction

मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोटिक बीमारी है, जिसमें चेचक के समान लक्षण होते हैं। वर्ष 1958 में अनुसंधान के लिए रखे गये बंदरों में इस रोग को पहली बार पाये जाने के कारण इस रोग को मंकीपॉक्स कहा गया। वर्ष 1970 में कांगो लोकतान्त्रिक गणराज्य से मंकीपॉक्स का पहला मानव रोगी संसूचित हुआ।

मंकीपॉक्स वायरस मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के देशों में होता है। वर्ष 2003 में अफ्रीका के बाहर मंकीपॉक्स का पहला आउट-ब्रेक संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ। यह आउट-ब्रेक घाना देश से आयात किये गये चूहों के समूहों के सम्पर्क से संक्रमित हुये पालतू कुत्ते के कारण हुआ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्तमान में इस रोग का प्रकोप यूरोप में पाया गया है, जिसका पश्चिम या मध्य अफ्रीका में संचरित रोग के साथ किसी प्रकार का इपिडेमियोलॉजिकल लिंक (Epidemiological Link) नहीं पाया गया। मंकीपॉक्स मध्य और पश्चिमी अफ्रीका देशों में एण्डेमिक (Endemic) पाया गया है जैसे:—कैमरून मध्य अफ्रीका गणराज्य, कोटे डी आइवर, कांगो लोकतान्त्रिक गणराज्य, गैबॉन, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, लाइबेरिया, नाइजीरिया, कांगो गणराज्य और सिएरा लियोन। इसके अतिरिक्त यू0एस0ए0, यू0के0 बेल्जियम, फ्रान्स, जर्मनी, इटली, नीदरलैण्ड, पुर्तगाल, स्पेन, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इजरायल और स्विट्जरलैण्ड जैसे नॉन एण्डेमिक (Non-Endemic) देशों में इस रोग के रोगी सूचित हुये।

दिनांक 31 मई, 2022 तक भारत में मंकीपॉक्स वायरस का कोई मामला सामने नहीं आया है। परन्तु गैर-स्थानिक (Non-Endemic) देशों में बढ़ते मामलों के दृष्टिगत भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

Monkeypox (MPX) is a viral zoonotic disease with symptoms similar to smallpox, although with less clinical severity. MPX was first discovered in 1958 in colonies of monkeys kept for research, hence the name 'monkeypox.' The first human case of monkeypox was reported from Democratic Republic of the Congo (DRC) in 1970.

Monkeypox Virus primarily occurs in Central and West Africa. In 2003, the first monkeypox outbreak outside of Africa was reported in the United States of America which was linked to contact with infected pet prairie dogs. These pets had been housed with Gambian pouched rats and dormice that had been imported into the country from Ghana.

1.1 Global Scenario

According to World Health Organization (WHO), in the present series of outbreaks being reported, this is the first time that chains of transmission are reported in Europe without known epidemiological links to West or Central Africa. Monkeypox has been reported as endemic in several other central and western African countries such as: Cameroon, Central African Republic, Cote d'Ivoire, Democratic Republic of the Congo, Gabon, Liberia, Nigeria, Republic of the Congo, and Sierra Leone. This has been also reported in certain non-endemic countries e.g. USA, UK, Belgium, France, Germany, Italy, Netherlands, Portugal, Spain, Sweden, Australia, Canada, Austria, Canary Islands, Israel and Switzerland.

There are no reported cases of monkeypox virus in India till date as on 31st May 2022. However, India needs to be prepared in view of the increasing reports of cases in non-endemic countries.

2. Epidemiology

2.1 Agent

Monkeypox virus (MPXV) is an enveloped double-stranded DNA virus that belongs to the *Orthopoxvirus* genus of the *Poxviridae* family. There are two distinct genetic clades of the monkeypox virus – the Central African (Congo Basin) clade and the West African clade. The Congo Basin clade has historically caused more severe disease and was thought to be more transmissible. The geographical division between the two clades has so far been in Cameroon
- the only country where both virus clades have been found.

2.2 Host:

Natural reservoir is yet unknown. However, certain rodents (including rope squirrels, tree squirrels, Gambian pouched rats, dormice) and non-human primates are known to be naturally susceptible to monkeypox virus.

2.3 Incubation period: The incubation period (interval from infection to onset of symptoms) of monkeypox is usually from 6 to 13 days but can range from 5 to 21 days.

2.4 Period of communicability: 1-2 days before the rash to until all the scabs fall off/gets subsided.

2.5 Mode of transmission:

- Human-to-human transmission is known to occur primarily through large respiratory droplets generally requiring a prolonged close contact. It can also be transmitted through direct contact with body fluids or lesion material, and indirect contact with lesion material, such as through contaminated clothing or linens of an infected person.
- Animal-to-human transmission: may occur by bite or scratch of infected animals like small mammals including rodents (rats, squirrels) and non-human primates (monkeys, apes) or through bush meat preparation.

3. Case definition

3.1 Suspected case:

A person of any age having **history of travel to affected countries within last 21 days** presenting **with an unexplained acute rash AND** one or more of the following signs or symptoms

- Swollen lymph nodes
- Fever

- Headache
- Body aches
- profound weakness

3.2 Probable case:

A person meeting the case definition for a suspected case, clinically compatible illness and hasan **epidemiological link** (face-to-face exposure, including health care workers without appropriate PPE; direct physical contact with skin or skin lesions, including sexual contact; or contact with contaminated materials such as clothing, bedding or utensils is suggestive of a strong epidemiological link).

3.3 Confirmed case:

A case which is laboratory confirmed for monkeypox virus (by detection of unique sequences of viral DNA either by **polymerase chain reaction (PCR) and/or sequencing**).

4. Surveillance Strategies

The aims of the proposed surveillance strategy are to rapidly identify cases and clusters of infections and the sources of infections as soon as possible in order to:

- isolate cases to prevent further transmission
- provide optimal clinical care
- identify and manage contacts
- protect frontline health workers
- effective control and preventive measures based on the identified routes of transmission.

4.1 Surveillance outline

- Use Standard Case Definitions by all District Surveillance Units (DSUs) under Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP) and at Points of Entry (PoEs).
- Even one case of monkeypox is to be considered as an outbreak. A detailed investigation by the Rapid Response Teams need to be initiated through IDSP.
- Report any suspected case immediately to the DSU/State Surveillance Units (SSUs) and CSU (Central Surveillance Unit), which shall report the same to Dte. GHS MoHFW.
- Send the samples as per the guidelines to the designated laboratories.

4.2 The salient features include:

- Targeted surveillance for probable case or clusters.

- b) Initiate contact tracing and testing of the symptomatic after the detection of the probable/confirmed case.

4.3 Core Surveillance Strategy

- a) **Hospital based Surveillance:** - Health facility-based surveillance & testing – in Dermatology clinics, STD clinics, medicine, paediatrics OPDs etc.
- b) **Targeted Surveillance:** This can be achieved by:
- i) Measles surveillance by Immunization division
 - ii) Targeted intervention sites identified by NACO for MSM, FSW population

4.4 Reporting

Reporting of cases to be done in the format as placed in **Annexure 1**.

5. Clinical Features

Monkeypox is usually a self-limited disease with the symptoms lasting from 2 to 4 weeks. Severe cases occur more commonly among children and are related to the extent of virus exposure, patient health status and nature of complications. The extent to which asymptomatic infection occurs is unknown. The case fatality ratio of monkeypox has historically ranged from 0 to 11% in the general population and has been higher among young children. In recent times, the case fatality ratio has been around 3-6%.

5.1 Common symptoms and signs

- Prodrome (0-5 days)
 - a. Fever
 - b. Lymphadenopathy
 - Typically occurs with fever onset
 - Periauricular, axillary, cervical or inguinal
 - Unilateral or bilateral
 - c. Headache, muscle aches, exhaustion
 - d. Chills and/or sweats
 - e. Sore throat and cough
- Skin involvement (rash)
 - a. Usually begins within 1-3 days of fever onset, lasting for around 2-4 weeks
 - b. Deep-seated, well-circumscribed and often develop umbilication

- c. Lesions are often described as painful until the healing phase when they become itchy (in the crust stage)
- d. Stages of rash (slow evolution)
 - Enanthem- first lesions on tongue and mouth
 - Macules starting from face spreading to arms, legs, palms, and soles (centrifugal distribution), within 24 hours
 - The rash goes through a macular, papular, vesicular and pustular phase. Classic lesion is vesicopustular
 - Involvement by area: face (98%), palms and soles (95%), oral mucous membranes (70%), genitalia (28%), conjunctiva (20%). Generally skin rashes are more apparent on the limbs and face than on the trunk. Notably the genitalia can be involved and can be a diagnostic dilemma in STD population
 - By 3rd day lesions progress to papules
 - By 4th to 5th day lesions become vesicles (raised and fluid filled).
 - By 6th to 7th day lesions become pustular, sharply raised, filled with opaque fluid, firm and deep seated.
 - May umbilicate or become confluent
 - By the end of 2nd week, they dry up and crust
 - Scabs remain for a week before falling off
 - The lesion heals with hyperpigmented atrophic scars, hypopigmented atrophic scars, patchy alopecia, hypertrophic skin scarring and contracture/deformity of facial muscles following healing of ulcerated facial lesions
 - A notable predilection for palm and soles is characteristic of monkey pox
- e. The skin manifestation depends on vaccination status, age, nutritional status, associated HIV status. Monkeypox chiefly occurs in communities where there is often a high background prevalence of malnutrition, parasitic infections, and other significant health-compromising conditions, any of which could impact the prognosis of a patient with MPX.
- f. The total lesion burden at the apex of rash can be quite high (>500 lesions) or relatively slight (<25).

5.2 Differential Diagnosis

Varicella (Chicken pox), disseminated herpes zoster, disseminated herpes simplex, measles, chancroid, secondary syphilis, hand foot mouth disease, infectious mononucleosis, molluscum contagiosum.

5.3 Complications

- Secondary infections
- Pneumonia, sepsis, encephalitis
- Corneal involvement (may lead to loss of vision)

6. Diagnosis

6.1 Personal Protective Equipment for handling the clinical specimens:

PPE to be donned before collecting the specimens should include- Coveralls/Gowns, N-95 mask, Face shield/safety goggles, double pair of gloves. Donning & doffing of PPE should be carefully performed as per the standard procedure. Procedure for sample collection and transport of the clinical specimen are placed as **Annexure 2**. Instructions on sample packaging and transport are provided in detailed in **Annexure 3**.

6.2 Clinical samples to be collected from the cases as per the criteria mentioned below at Table 1:

Traveller from outbreak /endemic region or Community Transmission		
Asymptomatic	<ul style="list-style-type: none"> • Observe for the development of any signs and symptoms for 21 days' post exposure • If signs and symptoms develop, collect specimens as per the duration of illness as mentioned below 	
Symptomatic	Rash phase**	Recovery phase
	<ul style="list-style-type: none"> • *Lesion roof- with scalpel or plastic scrapper collected in plain tube • *Lesion fluid with intradermal syringe • *Lesion base scrapings with sterile polyester swab collected in plain tube • *Lesion crust in plain tube • NPS/OPS in dry plain tube [without any bacterial medium or VTM] • Blood collected in SSGT (4-5 ml) • Blood collected in EDTA (2-3ml) • Urine in sterile urine container (3-5ml) 	<ul style="list-style-type: none"> • Blood collected in SSGT (4-5 ml) Urine in sterile urine container (3-5ml)

* The specimens from lesion should be collected from multiple sites

** A clear lesion images should be sent along with the case record form (preferably on the email ID mentioned below)

6.3 Diagnostic modalities for Monkeypox with ICMR NIV Pune

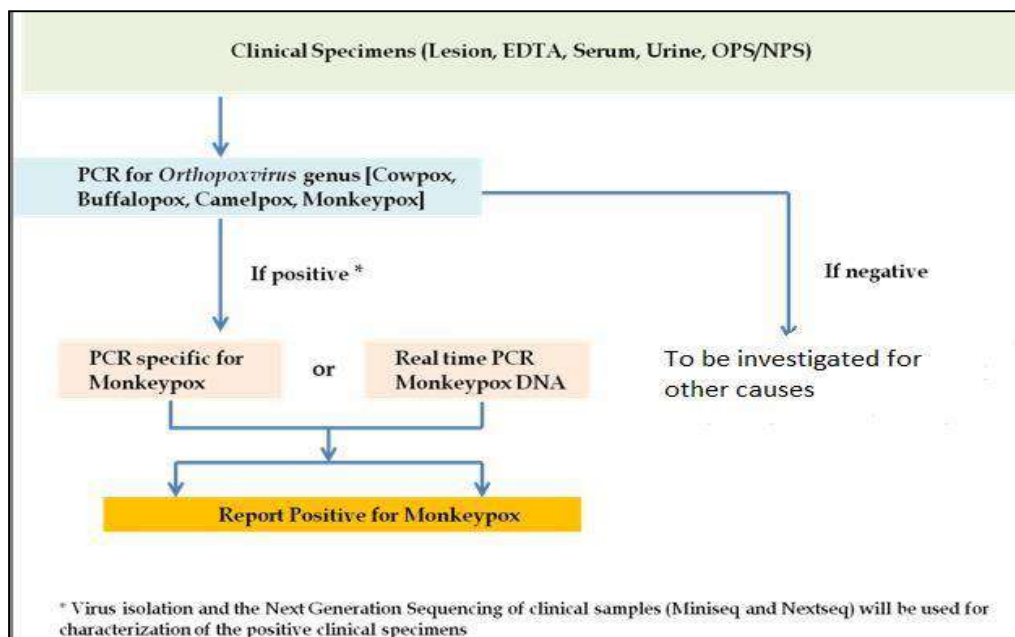
For the confirmation of Monkeypox on the suspected clinical specimens:

- a) PCR for *Orthopoxvirus* genus [Cowpox, Buffalopox, Camelpox, Monkeypox] will be done

b) If specimen will show positivity for the Orthopoxvirus, it would be further confirmed by Monkeypox specific conventional PCR or real time PCR for Monkeypox DNA

c) Additionally, virus isolation and the Next Generation Sequencing of clinical samples (Miniseq and Nextseq) will be used for characterization of the positive clinical specimens

All the clinical specimens should be transported to the Apex laboratory of ICMR-NIV Pune routed through the Integrated Disease Surveillance Programme network of the respective district/state



6.4 Contact Persons from ICMR-National Institute of Virology Pune Maharashtra, India for further queries related to collection and transportation of the clinical specimens

Primary contact person	Secondary contact person
<p>Dr. Pragya D. Yadav, Scientist-‘F’ & Group Leader, Maximum Containment Facility, ICMR-NIV, Microbial Containment Complex, 130/1, Sus Road, Pashan, Pune 411021 Tel: Office: 020-26006111; Email id: hellopragya22@gmail.com</p>	<p>Dr. Rima R. Sahay, Scientist ‘C’, Maximum Containment Facility, ICMR-NIV, Microbial Containment Complex,130/1, Sus Road, Pashan, Pune-411021. Tel: Office: 020-26006160; Email id: dr.rima.sahay@gmail.com</p>

7. Management

7.1 Principles of Management

- Patient isolation
- Protection of compromised skin and mucous membranes
- Rehydration therapy and Nutritional support
- Symptom alleviation
- Monitoring and treatment of complications

7.2 Patient Isolation

- Isolation of the patient in an isolation room of the hospital/ at home in a separate room with separate ventilation
- Patient to wear a triple layer mask
- Skin lesions should be covered to the best extent possible (e.g. long sleeves, long pants) to minimize risk of contact with others
- Isolation to be continued until all lesions have resolved and scabs have completely fallen off

Table 2: Supportive management of Monkeypox

Component of management	Symptoms/Signs	Management
Protection of compromised skin and mucous membranes	Skin rash	<ul style="list-style-type: none"> • Clean with simple antiseptic • Mupirocin Acid/Fucidin • Cover with light dressing if extensive lesion present • Do not touch/ scratch the lesions • In case of secondary infection relevant systematic antibiotics may be considered
	Genital ulcers	<ul style="list-style-type: none"> • Sitz bath
	Oral ulcers	<ul style="list-style-type: none"> • Warm saline gargles/ oral topical anti-inflammatory gel
	Conjunctivitis	<ul style="list-style-type: none"> • Usually, self-limiting • Consult Ophthalmologist if symptoms persist or there are pain/ visual disturbances
Rehydration therapy and nutritional support	Dehydration can occur in association with poor appetite, nausea, vomiting and diarrhoea	<ul style="list-style-type: none"> • Encourage ORS or oral fluids • Intravenous fluids if indicated • Encourage nutritious and adequate diet
Symptom alleviation	Fever	<ul style="list-style-type: none"> • Tepid sponging • Paracetamol as required
	Itching/Pruritus	<ul style="list-style-type: none"> • Topical Calamine lotion • Antihistaminics
	Nausea and vomiting	<ul style="list-style-type: none"> • Consider anti-emetics
	Headache/ malaise	<ul style="list-style-type: none"> • Paracetamol and adequate hydration

7.3 Monitoring and treatment of complications

The patient should closely monitor for the appearance of any of the following symptoms during the period of isolation:

- Pain in eye or blurring of vision
- Shortness of breath, chest pain, difficulty in breathing
- Altered consciousness, seizure
- Decrease in urine output
- Poor oral intake
- Lethargy

In case any of the above symptoms appear, the patient should immediately contact nearby healthcare facility/ specialist.

8. Contact tracing

8.1 Definition of a contact

A contact is defined as a person who, in the period beginning with the onset of the source case's first symptoms, and ending when all scabs have fallen off, has had one or more of the following exposures with a probable or confirmed case of monkey pox:

- face-to-face exposure (including health care workers without appropriate PPE)
- direct physical contact, including sexual contact
- contact with contaminated materials such as clothing or bedding

8.2 Contact identification

Cases can be prompted to identify contacts across household, workplace, school/nursery, sexual contacts, healthcare, houses of worship, transportation, sports, social gatherings, and any other recalled interactions.

8.3 Contact monitoring

- a) Contacts should be monitored at least daily for the onset of signs/symptoms for a **period of 21 days** (as per case definition above) from the last contact with a patient or their contaminated materials during the infectious period. In case of occurrence of fever clinical/lab evaluation is warranted.
- b) Asymptomatic contacts should not donate blood, cells, tissue, organs or semen while they are under surveillance.
- c) Pre-school children may be excluded from day care, nursery, or other group settings.

- d) Health workers who have unprotected exposures to patients with monkeypox or possibly contaminated materials do not need to be excluded from work duty if asymptomatic, but should undergo active surveillance for symptoms for 21 days.

Advisory for International Passengers and surveillance at Airports and Role of APHOs/PHOs is also elaborated in **Annexure 4**.

9. Risk Communication and Preventive Measures

Raising awareness of risk factors and educating people about the measures they can take to reduce exposure to the virus is the main prevention strategy for monkeypox. There are number of measures that can be taken to prevent infection with monkeypox virus:

- Avoid contact with any materials, such as bedding, that has been in contact with a sick person.
- Isolate infected patients from others.
- Practice good hand hygiene after contact with infected animals or humans. For example, washing your hands with soap and water or using an alcohol-based hand sanitizer.
- Use appropriate personal protective equipment (PPE) when caring for patients.

9.1 Reducing the risk of human-to-human transmission

Surveillance and rapid identification of new cases is critical for outbreak containment. During human monkeypox outbreaks, close contact with infected persons is the most significant risk factor for monkeypox virus infection. Health workers and household members are at a greater risk of infection. Health workers caring for patients with suspected or confirmed monkeypox virus infection, or handling specimens from them, should implement standard infection control precautions. Samples taken from people and animals with suspected monkeypox virus infection should be handled by trained staff working in suitably equipped laboratories. Patient specimens must be safely prepared for transport with triple packaging in accordance with WHO guidance for transport of infectious substances.

9.2 Infection Prevention and Control (IPC)

A combination of standard, contact, and droplet precautions should be applied in all healthcare settings when a patient presents with fever and vesicular/pustular rash. In addition, because of the theoretical risk of airborne transmission of monkeypox virus, airborne precautions should be applied as per risk assessment.

Clinical triage includes early recognition and immediate placement of patient in separate area from other patients (source control). All individuals, including family members, visitors and HCWs should apply standard, contact and droplet precautions.

9.2.1 Patient isolation

Patient should be managed in isolation, precautions should be taken to minimize exposure to surrounding persons, which include placing a surgical mask over the patient's nose and mouth—if tolerable to the patient—and covering any of the patient's exposed skin lesions with a sheet or gown.

9.2.2 Ambulance Transfer

- When a case has to be transported, the personnel accompanying the patient should wear PPE (long sleeved gown, N95 mask, gloves, and goggles).
- Give prior information to the hospital of the admission/transfer of a potentially infectious person.
- Request patient to wear a mask (if tolerated) and advise on Respiratory Hygiene and Cough Etiquette.
- If lesions are present, cover them with long sleeved clothing/pant or a clean sheet to minimize contact with others. In the ambulance use disposable linen if available.
- The ambulance should be cleaned and disinfected before using for the other patients. **After wearing PPE**, surfaces (stretcher, chair, door handles etc.) should be cleaned with a freshly prepared 1% hypochlorite solution or equivalent. Carefully place reusable blankets in a bag without shaking or fluffing them, then put into a laundry bag and send for laundering clearly labelling it so that person in the laundry wears appropriate PPE before handling or autoclaves it before opening. Follow manufacturer's instructions for cleaning/disinfecting reusable equipment in the ambulance. All masks and any waste contaminated with crusts, secretions, serum or body fluids should be disposed of as infectious waste in yellow bag. In the ambulance, if the driver's chamber is not separate, driver should also use PPE.

9.2.3 Additional Precautions

- **PPE** (Disposable gown, gloves, N95 mask, Eye goggles) should be donned before entering the patient's room and used for all patient contact. All PPE should be disposed of prior to leaving the isolation room where the patient is admitted.
- **Hand hygiene** (following standard steps of hand hygiene) after all contact with an infected patient and/or their environment during care.

- Correct containment and disposal of contaminated waste (e.g., dressings) in accordance with **Biomedical Waste Management guidelines (2016 & subsequent amendments)** for infectious waste.
- Care when handling **soiled laundry** (e.g., bedding, towels, personal clothing) to avoid contact with lesion material.
- Soiled laundry should never be shaken or handled in manner that may disperse infectious particles.
- Care when handling used **patient-care equipment** in a manner that prevents contamination of skin and clothing.
- Ensure that used equipment has been cleaned and reprocessed appropriately.
- Ensure provisions are in place for cleaning and disinfecting environmental surfaces in the patient care environment.
- Hospital disinfectant currently used for environmental sanitation may be used as per recommendations for concentration, contact time, and care in handling.

9.2.4 IPC at home

Patients who do not require hospitalization may be managed at home taking following preventive measures:

- Patients should be isolated in a room or area separate from other family members. Healthy household members should limit contact with the patient.
- Patients should not leave the home except for medical care.
- No visitors should be allowed at home.
- Patients, especially those who have respiratory symptoms (e.g., cough, shortness of breath, sore throat) should wear a surgical mask. If this is not feasible, other household members should consider wearing a surgical mask when in the presence of the patient.
- Disposable gloves should be worn for direct contact with lesions and disposed of after use.
- Skin lesions should be covered to the best extent possible (e.g., long sleeves, long pants) to minimize risk of contact with others.
- Contain and dispose of contaminated waste (such as dressings and bandages) in the Biomedical waste disposable bag Do not dispose of waste in landfills or dumps.
- Proper hand washing with soap and water (or use of an alcohol-based hand rub) should be performed by the patient and other household members after touching lesion material, clothing, linens, or environmental surfaces that may have had contact with lesion material.
- Laundry (e.g., bedding, towels, clothing) may be washed with warm water and detergent;

- Care should be used when handling soiled laundry to avoid direct contact with contaminated material.
- Soiled laundry should not be shaken or otherwise handled in a manner that may disperse infectious particles.
- Dishes and other eating utensils should not be shared. Soiled dishes and eating utensils should be washed with warm water and dish washing soap.
- Contaminated surfaces should be cleaned and disinfected. Standard household cleaning/disinfectants may be used in accordance with the manufacturer's instructions.
- Pets and domestic animals should be excluded from the patient's environment.

9.2.5 Duration of Isolation Procedures

Affected individuals should avoid close contact with immunocompromised persons and pregnant women until all crusts are gone. Isolation precautions should be continued until **all lesions have resolved and a fresh layer of skin** has formed.

10. Risk communication

This includes providing public health advice through the channels that target audiences use on how the disease transmits, its symptoms, preventive measures and what to do in case of suspect or confirmed infection. This should be combined with targeting community engagement to the population groups who are most at risk, working closely with health care providers, including STD clinics, and civil society organizations.

Risk communication should be informed by insights from social listening detecting public sentiment and should timely address possible rumours and misinformation. Health information and advice should be provided avoiding any form of stigmatization of certain groups such as men who have sex with men (MSM).

The key measures that can be taken to prevent infection with monkeypox virus:

- Isolate infected patients from others who could be at risk for infection.
- Avoid contact with any materials, such as bedding, that has been in contact with a patient of Monkeypox.
- Practice good hand hygiene after contact with infected persons. For example, washing your hands with soap and water or using an alcohol-based hand sanitizer.
- Use masks and gloves when caring for patients.

ANNEXURE-1: Case Reporting Format

National Institute of Virology, Pune			
Case Information form			
Field ID	Date of Collection of Specimen	Collected by	
<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	
Aadhar Card Number	<input type="text"/>		
<u>Patient Information :</u>			
Name of the patient	<input type="text"/>		Occupation <input type="text"/>
Age in completed years	Gender	Pregnant	If Pregnant (Mention weeks of pregnancy)
<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
<u>Detailed Address:</u>			
Locality	Village	Taluka	City
<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
District	State	Pincode	Contact Number
<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
<u>Clinical History :</u>			
Name of Hospital/ Clinic	<input type="text"/>		OPD/ IPD Number <input type="text"/>
Post Illness day	<input type="text"/>	Date of Hospitalization	<input type="text"/>
Date of onset of symptoms	<input type="text"/>		
<input type="checkbox"/> Fever	<input type="checkbox"/> Chills/Rigors	Grade of fever <input type="text"/>	Type of fever <input type="text"/>
<input type="checkbox"/> Myalgia	<input type="checkbox"/> Fatigue	<input type="checkbox"/> Headache	<input type="checkbox"/> Malaise
<input type="checkbox"/> Rash	<input type="checkbox"/> Papular	<input type="checkbox"/> Maculo-papular	<input type="checkbox"/> Vesicular
<input type="checkbox"/> Scabs/Crusts	<input type="checkbox"/> Others	Specify <input type="text"/>	
<input type="checkbox"/> Respiratory symptoms	<input type="checkbox"/> Cold	<input type="checkbox"/> Cough (dry)	<input type="checkbox"/> Cough (Expectorant)
<input type="checkbox"/> Eye problems	<input type="checkbox"/> Redness	<input type="checkbox"/> Pain	<input type="checkbox"/> Watery
<input type="checkbox"/> Oro-GI symptoms	<input type="checkbox"/> Nausea	<input type="checkbox"/> Vomiting	<input type="checkbox"/> Diarrhoea
<input type="checkbox"/> CNS symptoms	<input type="checkbox"/> Altered Sensorium	<input type="checkbox"/> Convulsions	<input type="checkbox"/> Irritability
<input type="checkbox"/> Others	Specify <input type="text"/>		
<u>Complications:</u>			
<input type="checkbox"/> Pneumonia	<input type="checkbox"/> ARDS	On Mechanical Ventilation <input type="text"/>	<input type="checkbox"/> Coagulopathy
<input type="checkbox"/> Encephalitis/Meningitis	<input type="checkbox"/> Sepsis	<input type="checkbox"/> Severe Dehydration	<input type="checkbox"/> Uveitis/ Iritis
<input type="checkbox"/> Reye's Syndrome	<input type="checkbox"/> Myocarditis	<input type="checkbox"/> Hepatitis	<input type="checkbox"/> Hearing loss
<input type="checkbox"/> Others	Specify <input type="text"/>		

Past History: Diabetes Hypertension COPD Asthama Pulmonary TB Heart Disease Liver disease

Other Immunocompromised conditions if yes, specify Smoking

Tobacco chewing Alcoholism Others Specify

Treatment History : Amoxicillin Septran Amoxiclav Azithromycin Erythromycin Levofloxacin

Acyclovir Vit- A syrup Units Others Specify

Epidemiological History:

Contact with case of fever with rash in last 10 days Specify

Contact with known case of chicken pox or zooster in last 10 days Specify

Similar history in family members/ neighbours/ friends Specify

Attending any mass gathering in last 10 days Specify

Past Vaccination History (VSV/Measles/Mumps/Rubella) Specify

Others Specify

Time of Specimens Collected:

Throat Swab Nasopharyngeal Aspirate Bronchoalveolar Lavage Swabs of Macuopapular lesions

Swabs of Vesicular lesions Swabs from pustule Crusts/Scabs Serum CSF Urine Others Specify

Hematological Investigations:

Hb (gm%) TLC/WBC Neutrophils Lymphocytes Eosinophils Platelets

Blood Urea Serum Creatinine Serum Albumin ALT AST

Serum Bilirubin (Total) Bilirubin (Direct) Bilirubin (Indirect) PT INR

Urine Bile Salt/ Bile Pigment Proteinuria Others (Specify)

X-Ray chest

Laboratory Investigations:

Real Time PCR Conventional PCR IgM Elisa IgG Elisa

Virus Isolation

Outcome History:

Cured and Discharged Date of Discharge Died Date of Death

Name of treating physician Contact Number

Laboratory Diagnosis

Provisional Diagnosis

Final Diagnosis

ANNEXURE 2- Procedures for the clinical specimen collection:

- **Nasopharyngeal and Oropharyngeal swabs in screw capped plain tube:**
 - Explain the procedure to the patient
 - Remove the polystyrene swab. Don't let anything touch the sterile swab on the end of the stick
 - Ask patient to open mouth and stick their tongue out
 - Use tongue spatula to press the tongue downward to the floor of the mouth.
 - Use sterile polystyrene swab to swab both of the tonsillar arches and the posterior nasopharynx, without touching the sides of the mouth.
 - Reach behind the uvula and swab: a. tonsillar fauces, b. the posterior pharynx, and c. any ulceration, exudate, lesion, or area of inflammation.
 - Don't let the sterile swab touch the patient's tongue, gums, or teeth as you gently remove it from his/her mouth
 - Place the swab into the screw-capped plain plastic tube [without any medium or VTM]
 - Similarly, tilt patient's head back 70 degrees. Gently and slowly insert a polystyrene swab with a flexible shaft through the nostril parallel to the palate until resistance is encountered.
 - The distance is equivalent to that from the nostril to the ear of the patient, indicating contact with the nasopharynx
 - Gently rub and roll the swab, leaving it in place for several seconds to absorb secretions. If a deviated septum or blockage creates difficulty in obtaining the specimen from one nostril, use the same swab to obtain the specimen from the other nostril
 - Slowly remove swab while rotating it. Specimens can be collected from both nostrils
 - Place the swab into the same screw-capped plain plastic tube [without any medium or VTM] in which the OPS swab was kept
 - Break the excess stick and recap the tube tightly.
 - Keep the tube in an upright position in the stand.
 - Surface decontaminate the tube using 2% Lysol or 0.5-1% Sodium hypochlorite wipes

- **Venous Blood Collection in SSGT and EDTA tube:**
 - Explain the procedure to the patient
 - Check the patient's fore-arm/median cubital fossa for a prominent vein of good size. Use the median cubital vein wherever feasible.
 - Apply the tourniquet 4-5 fingerbreadths above the site of venipuncture.
 - Perform hand hygiene by using an alcohol-based hand rub on the outer pair of gloves.

- Disinfect the skin site using a wipe containing 70% alcohol, in a circular motion, from the centre to periphery. Allow the skin to dry.
 - Do not re-touch the site of puncture again. In case of accidental touch, repeat the skin disinfection as above.
 - Anchor the vein by holding your thumb below the puncture site.
 - Ask the patient to make a fist so as to make the veins prominent.
 - Insert the needle (vacutainer or syringe needle) into the vein, bevel side up, at an angle of about 30° and advance the needle into the vein.
 - Collect 5 mL of blood (into the syringe or into tubes) and aliquot 2 ml in EDTA (Purple top) 3 ml in SSGT (Yellow top) for serum separation.
 - Release the tourniquet.
 - Withdraw the needle gently and apply a piece of sterile gauze to the puncture site
 - Ask the patient to gently press down on the gauze on the puncture site, keeping the arm folded
 - If a syringe and needle were used for collection, transfer the blood inside the tube by piercing the stopper of the tubes placed firmly on a rack.
 - Invert EDTA tubes gently 4-5 times to ensure proper mixing of the additives
 - Keep the tubes in an upright position in the stand.
 - Discard the syringe and needle into the sharp's container
 - Surface decontaminate the SSGT and the EDTA tube using 2% Lysol or 0.5-1% Sodium hypochlorite wipes
- **Urine sample collection in the screw capped sterile urine container:**
 - Explain the procedure to the patient
 - Provide privacy to the patient
 - First ask patient to wipe/clean the genitals
 - Ask patient to urinate a small amount into the toilet bowl, and then stop the flow of urine.
 - Then collect a sample of urine into the clean or sterile container provided
 - Ask the patient to collect about 3 to 5 mL of mid-stream urine sample into the collection tube provided, taking care not to contaminate the outside of the container
 - Ask patient to finish urinating into the toilet bowl
 - Close the lid carefully and keep the container standing position
 - Surface decontaminate the SSGT and the EDTA tube using 2% Lysol or 0.5-1% Sodium hypochlorite wipes

- **Lesion roof, base scrapping, fluid and crust/scab collection [collect from multiple sites]:**
 - Explain the procedure to the patient
 - Sanitize the skin covered with lesion with 80% alcohol wipes to start the collection
 - Remove the lesion roof using sterile scalpel or plastic scrapper
 - Place the roof in the screw cap plain tube.
 - Similarly, use 1ml intradermal syringe to collect the pustule/ vesicular fluids from multiple lesions and collect in fresh screw cap plain tube
 - Use the polystyrene swab to collect the scrapings from the base of the lesions by gentle scrapping and put it in fresh screw cap plain tube
 - The scab/crust if formed using polystyrene swab, should also be collected in fresh screw cap plain tube

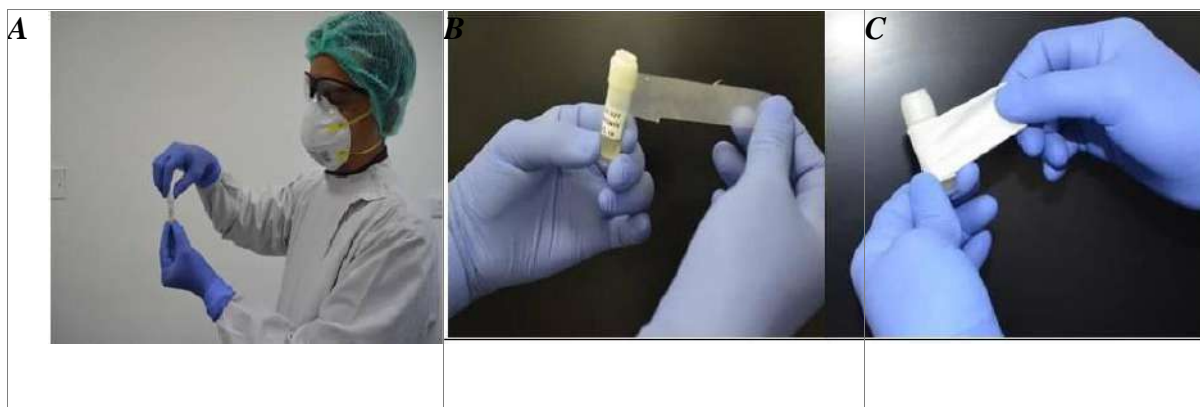
Procedures for the transport of the clinical specimens:

- Keep the samples immediately in +4 degree Celsius as soon as they are collected
- After collection of samples, appropriately labelled sample tubes need to be sealed with parafilm
- Centrifuge the serum tube before shipment
- Tubes need to be wrapped with the absorbent tissue paper/cotton and paced in Zip lock bags/Secondary receptacle
- Samples should be transported in dry ice as per the instruction provided in Annexure-3 (adapted from the WHO Guidance on regulations for the transport of infectious substances 2021-2022) along with the case record form provided with this document.

ANNEXURE 3: INSTRUCTIONS ON SAMPLE PACKAGING AND TRANSPORT

**This is just visual representation. Use appropriate PPE and collection tubes as described earlier in this document*

STEP 1: ARRANGING THE SAMPLE VIALS



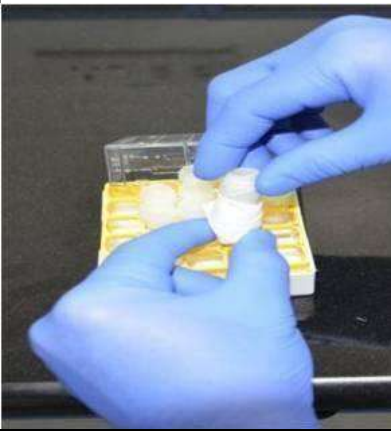
***Wear full set of appropriate Personal Protective Equipment and identify the labelled sample tubes**

***Seal the neck of the sample vials using parafilm to prevent leakage during transit.**

Cover the sample vials using absorbent material to contain leakage, in the event of a breakage.

STEP 2: ARRANGING THE PRIMARY VIALS WITHIN A STURDY, LEAK-PROOF SECONDARY CONTAINER

A



B



Option 1: Using a cryo-box as a secondary container. (Seal the lid of the box after arranging the samples, using cello.)

Option 2: Using a 50-mL centrifuge tube as a secondary container. (Seal the neck of the tube using cello.)

C



D



**Placing the centrifuge tube
pouch inside a zip-lock**

**Placing the zip-lock pouch inside a sturdy plastic
container. (Seal the neck of the container using
cello.)**

[Note: Sample vials can also be placed inside a zip-lock pouch, covered in absorbent material and secured by heat-sealing or rubber bands. Then, the zip-lock pouch should be placed inside another plastic pouch and secured.]

STEP 3: ARRANGING THE OUTER CONTAINER

A





B



C



<p>Option 1:</p> <p>Using a thermocol box as an outer container and placing the secondary container within it, surrounded by hard-frozen gel packs</p>	<p>Option 2:</p> <p>Using a hard-board box as an outer container and placing the secondary container and the gelpacks</p>	<p>Placing the completed Case Report Form/Request Form inside a leak-proof, zip-lock pouch</p>
<i>D</i>	<i>E</i>	
		<p><u>Documents to accompany:</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1) Packing list/Proforma Invoice 2) Air way bill (for air transport) (to be prepared by sender or shipper) 3) Value equivalence document (for road/rail/sea transport)
<p>Securing the zip-lock pouch with the Case Report Form on the outer container</p>	<p>Attaching the labels:</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Sender's Address and contact number; ● Consignee's Address and contact number; ● Emergency Contact's name and number 	

ANNEXURE 4 -Advisory for International passengers

- **Travelers should AVOID:**
 - Close contact with sick people, including those with skin lesions or genital lesions.
 - Contact with dead or live wild animals such as small mammals including rodents (rats,squirrels) and non-human primates (monkeys, apes).
 - Eating or preparing meat from wild game (bushmeat) or using products derived from wild animals from Africa (creams, lotions, powders).
 - Contact with contaminated materials used by sick people (such as clothing, bedding, or materials used in healthcare settings) or that came into contact with infected animals.
- **Consult the nearest health facility if you develop symptoms suggestive of monkey pox like fever with rash &**
 - You were in an area where Monkey pox has been reported
 - You had contact with a person that might have had Monkey pox.

Role of APHOs/PHOs:

- a. Remain in a state of alert, particularly for the passengers arriving from countries reporting monkey pox outbreaks,
- b. Familiarize with clinical presentation of monkey pox,
- c. Undertake strict thermal screening and history of travel to affected countries in last 21 days,
- d. Establish/strengthen referral arrangements from airport/port to identified link hospital.
- e. Also, familiarize Bureau of Immigration personnel, airline personnel and any State health personnel deployed with them about the disease,
- f. Inform concerned airlines about detection of a suspect case for the purpose of disinfection procedure to be followed as per standard guidelines.

प्रचार प्रसार

- समुदाय में रोग के बारे में क्या करें, क्या न करें, की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। इसके लिए हैण्ड बिल्स, पम्फलेट, लीफलेट, पोस्टर, दीवारों पर लेखन तथा माइक आदि से प्रचार-प्रसार का कार्य किया जा सकता है।
- स्कूलों में नामित नोडल शिक्षक के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा अभियान चलाकर बच्चों व अभिभावकों को इस नवीन रोग के विषय में शिक्षित करने के सम्बन्ध में कार्यवाही की जाए।
- स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं व शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों को रोग के सम्बन्ध में संवेदीकृत किया जाए।
- चिन्हित रोगी के स्राव के सम्पर्क में आने से बचने के सन्दर्भ में जन सामान्य को जानकारी प्रदान की जाए।
- जन समुदाय को जागरूक किये जाने हेतु जनपद में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं/समूहों को भी रोग से बचाव के उपायों पर संवेदीकृत कर उनका सहयोग लिया जाए।
- जनपद स्तर पर क्रियाशील निजी चिकित्सकों/चिकित्सा इकाइयों को भी रोग के सम्बन्ध में जन-सामान्य को संवेदीकृत किये जाने हेतु प्रेरित किया जाए।

5. अनुश्रवण एवं सर्विलॉन्स गतिविधियाँ:-

- मंकीपॉक्स रोग से ग्रसित रोगी के चिन्हित होने पर सभी आवश्यक सर्विलॉन्स गतिविधियाँ सम्पादित की जाए।
- इसके अंतर्गत रोग से सम्बंधित ऑकड़ों का संग्रह, विहित प्रपत्रों पर समय से रिपोर्टिंग, प्राप्त ऑकड़ों का विश्लेषण तथा स्थानीय स्तर पर उचित कार्यवाही किया जाना शामिल है।
- इस कार्यक्रम का अनुश्रवण मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन में जिला सर्विलॉन्स अधिकारी (आई0डी0एस0पी0) द्वारा किया जाए।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण

- सभी चिकित्सा इकायों में तैनात चिकित्सक एवं पैरामेडिकल कर्मियों को इस रोग के प्रति संवेदनशील करते हुये रोग के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी जाए व रोग के उपचार के सम्बन्ध में प्रशिक्षित किया जाए।

- क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं (ए0एन0/आशा) को प्रशिक्षित चिकित्सक/पैरामेडिकल कर्मी द्वारा अपनी चिकित्सा इकाइयों पर रोग के प्रति संवेदीकृत किये जाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।
- चिकित्सकीय एवं पराचिकित्सकीय कर्मियों को रोगियों के बायोमेडिकल बेस्ट के निस्तारण किये जाने के सम्बन्ध में प्रशिक्षित किया जाए।

अन्तर्विभागीय समन्वयन

- जनपद स्तर पर गठित जूनोटिक डिजीज समिति की बैठक में इस रोग के सम्बन्ध में जानकारी का आदान-प्रदान किया जाए।
- किसी भी आकस्मिकता की स्थिति में त्वरित कार्यवाही हेतु संबंधित विभागों एवं अधिकारियों का दूरभाष/मोबाईल नंबर कंट्रोल रूम में उपलब्ध रहेंगे। किसी भी क्षेत्र में मंकीपॉक्स के रोगी की सूचना चिकित्सा इकाई या किसी भी व्यक्ति द्वारा 24x7 टोल फ्री नम्बर 1800-1805145 पर दी जा सकती है। इस सूचना के बाद तुरन्त निरोधात्मक कार्यवाही करते हुये राज्य मुख्यालय को कृत कार्यवाही से अवगत कराया जायेगा।
- रोग के प्रसार/महामारी जैसी स्थितियों में जिला प्रशासन के सहयोग से पशु पालन,वन, शिक्षा विभाग, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग इत्यादि का सहयोग ले कर बचाव एवं रोकथाम संबंधी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए।

मीडिया प्रबन्धन

राज्य स्तर/जिला स्तर पर केवल प्राधिकृत अधिकारी द्वारा रोग के संबंध में जोनोटिक डिजीज हेतु गठित समिति से आवश्यक विमर्श के बाद मीडिया तथा अन्य संबंधित विभागों को रोग से संबंधित सूचना का प्रेषण किया जायेगा। मीडिया ब्रीफिंग में ऐसे किसी भी शब्द या तथ्यों का प्रयोग नहीं किया जायेगा जिससे जनमानस में "पैनिक" की स्थिति उत्पन्न हो।